पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद मथुरा में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह सहित 1,051 करोड़ रु0 लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

कोई भी राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़कर महान बनता, जिस समाज को अपनी विरासत का बोध होता, वह दुनिया से सीखता भी और दुनिया को सिखाता भी : मुख्यमंत्री

ब्रजभूमि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, भक्ति, संगीत, लोक कला और आध्यात्मिक परम्परा का जीवन्त केन्द्र

स्वामी हरिदास जी ने भक्ति को संगीत और संगीत को साधना का स्वरूप प्रदान किया, साधना को समाज की चेतना से जोड़ने का कार्य स्वामी हरिदास जी ने किया

आज मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, गोवर्धन और बल्देव अपनी समृद्ध विरासत, धार्मिक आयोजनों और उत्सवों के लिए पहचाने जा रहे

भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं, बल्कि यह संघर्ष, संरक्षण, पुनर्निर्माण और सनातन परम्परा की निरन्तरता का इतिहास

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने विकास की अवधारणा में एक नया आयाम जोड़ा, आधुनिकता को परम्परा के साथ जोड़ते हुए विकास की नई दिशा तैयार की जा रही

उ0प्र0 में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, होली, दीपोत्सव, रामनवमी, दुर्गापूजा और विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भव्यता के साथ हो रहे

राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत मथुरा–वृन्दावन के कायाकल्प का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा

ब्रज में सुरक्षा, स्वच्छता, बेहतर कनेक्टिविटी, श्रद्धालुओं की सुविधा और सम्मान की व्यवस्था को तेजी से मजबूत किया जा रहा

श्रीकृष्ण एवं राधारानी की लीलाओं से जुड़े वृन्दावन, बरसाना, नन्दगांव, गोवर्धन, राधाकुण्ड, गोकुल, बल्देव और मथुरा को पर्यटन विकास की दृष्टि से जोड़ा जा रहा

84 कोसी परिक्रमा मार्ग, पंच कोसी परिक्रमा मार्ग और 03 वन परिक्रमा मार्गों के विकास के साथ ही कुण्डों के पुनरुद्धार तथा ब्रज के वनों के पुनर्स्थापन का कार्य किया जा रहा

वृन्दावन की नगरीय सीमा के अन्तर्गत लगभग 400 एकड़ क्षेत्र में एशिया के सबसे बड़े सिटी फॉरेस्ट के रूप में 'सौभरि वन' विकसित किया जा रहा

लखनऊ 03 सितम्बर, 2026

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि कोई भी राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति और अपनी जड़ों से जुड़कर महान बनता है। जिस समाज को अपनी जड़ों का ज्ञान नहीं होता,

वह आधुनिकता को भी दूसरों की नकल समझता है। इसके विपरीत जिस समाज को अपनी विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता भी है और दुनिया को सिखाता भी है।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद मथुरा में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह सहित 1,051 करोड़ रुपये लागत की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने के उपरान्त आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने पूज्य संतजनों का स्वागत, सम्मान एवं सत्कार किया। उन्होंने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, स्वीकृति प्रमाण पत्र, प्रशस्ति पत्र, नियुक्ति पत्र, टूल किट, आवास व ट्रैक्टर की प्रतीकात्मक चाभी आदि प्रदान किये।

मुख्यमंत्री जी ने विश्व बैंक सहायतित उत्तर प्रदेश प्रो–पुअर पर्यटन विकास परियोजना पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन, महिलाओं की गोदभराई तथा बच्चों का अन्नप्राशन किया। उन्होंने सेवानिवृत्त आई0ए0एस0 सुश्री अराधना जौहरी द्वारा लिखित पुस्तक 'ईकोज ऑफ डिग्निटी' का विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान जनपद मथुरा व उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की विकास यात्रा पर आधारित लघु फिल्म प्रदर्शित की गयी तथा विभिन्न राज्यों के कलाकारों द्वारा 'कलर्स ऑफ कृष्णा' पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पारिजात का पौधा रोपित किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि ब्रजभूमि मात्र एक भौगोलिक क्षेत्र नहीं, बल्कि भारत की सनातन सांस्कृतिक चेतना, भक्ति, संगीत, लोक कला और आध्यात्मिक परम्परा का जीवन्त केन्द्र है। भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि मथुरा में वैष्णव भक्ति एवं संगीत साधना के महान संत स्वामी हरिदास जी की स्मृति में निर्मित भव्य प्रेक्षागृह का लोकार्पण तथा जनपद की 1,051 करोड़ रुपये लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास ब्रज की विरासत के सम्मान और विकास के नए संकल्प का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि आज के कार्यक्रम से ब्रज की परम्परा, लोक कला और विरासत को संरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुआ है। स्वामी हरिदास जी ने भक्ति को संगीत और संगीत को साधना का स्वरूप प्रदान किया। साधना को समाज की चेतना से जोड़ने का कार्य स्वामी हरिदास जी ने किया।

स्वामी हरिदास जी की साधना का प्रभाव इतना व्यापक था कि महान संगीतज्ञ तानसेन जैसे व्यक्तित्व उनके शिष्य बने। स्वामी हरिदास जी महाराज वैष्णव भक्ति और संगीत की

महान परम्परा के प्रवर्तक थे। तानसेन महान संगीतज्ञ थे, लेकिन जिस संत की साधना ने एक सम्राट को भी भक्ति रस से जुड़ने के लिए प्रेरित किया, वह स्वामी हरिदास जी की साधना की महानता को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि लम्बे समय तक विकास को केवल सड़क, बिजली, पानी, भवन और उद्योग के चश्मे से देखने का प्रयास किया गया। विकास के नाम पर विरासत की उपेक्षा हुई। इतिहास के नायकों को भारतीय स्मृति से मिटाने के प्रयास किए गए। विदेशी आक्रांताओं ने भारत के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक चिन्हों को नष्ट करने का प्रयास किया। अंग्रेजों और पूर्ववर्ती सरकारों के कालखण्ड में भी विरासत की उपेक्षा जारी रही।

आज मथुरा, वृन्दावन, बरसाना, गोवर्धन और बल्देव अपनी समृद्ध विरासत, धार्मिक आयोजनों और उत्सवों के लिए पहचाने जा रहे हैं। प्रदेश की कानून–व्यवस्था और विकास की स्थिति के कारण लम्बे समय तक ब्रज क्षेत्र भी प्रभावित रहा। वर्ष 2016 में हुई जवाहरबाग की घटना में 29 लोगों की जान गई थी। दो पुलिस अधिकारियों ने भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए बलिदान दिया था। उस समय प्रदेश में उत्सव और विकास की कल्पना करना कठिन था।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का इतिहास नहीं है, बल्कि यह संघर्ष, संरक्षण, पुनर्निर्माण और सनातन परम्परा की निरन्तरता का इतिहास है। मथुरा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित केशवदेव मन्दिर ने अनेक आक्रमणों और संघर्षों को देखा। विदेशी आक्रांताओं ने मन्दिरों को तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे श्रीकृष्ण की स्मृति को मिटा नहीं पाए। न जन्माष्टमी का आयोजन रुका, न राधारानी और न वृन्दावन की भक्ति रुकी, न बरसाना की होली थमी और न ही गोवर्धन की परिक्रमा रुकी। यही सनातन की शक्ति और ब्रज की जीवन्त चेतना है।

काशी भी इसी सनातन निरन्तरता की मिसाल है। श्री काशी विश्वनाथ मन्दिर पर आक्रमण हुए, लेकिन परम्परा कभी समाप्त नहीं हुई। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर ने मन्दिर के पुनर्निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज श्री काशी विश्वनाथ धाम भव्यता और आधुनिक सुविधाओं के लिए जाना जाता है।

अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मन्दिर को नष्ट कर गुलामी का ढांचा खड़ा किया गया, लेकिन इससे अयोध्या में श्री रामनवमी का आयोजन नहीं रुका। पंच कोसी, चौदह कोसी और चौरासी कोसी परिक्रमा की परम्परा समाप्त नहीं हुई। सावन झूला मेले की परम्परा भी चलती रही। सनातन परम्परा निरन्तर आगे बढ़ती रही और संघर्ष का नया जज्बा पैदा करती रही।

आज अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मन्दिर निर्मित होकर त्रेतायुग की स्मृति को पुनर्जीवित कर रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि भारत को सही मायने में समझना है तो संतों की परम्परा, कलाकारों की लोक विधाओं, क्रांतिकारियों और उन करोड़ों सामान्य भारतीयों के योगदान को समझना होगा, जिन्होंने पीढ़ी–दर–पीढ़ी भारतीय सभ्यता और संस्कृति को जीवित रखा। उन्होंने महाराजा सुहेलदेव, लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर, रानी लक्ष्मीबाई, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोबिन्द सिंह सहित संत परम्परा में जगद्गुरु आदि शंकराचार्य से लेकर वर्तमान समय तक की महान परम्पराओं का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विरासत केवल किसी भौतिक वस्तु तक सीमित नहीं है। हमारी विरासत मन्दिरों, भाषा, साहित्य, संगीत, कला और दर्शन में है। यह गणित, विज्ञान, चिकित्सा, खगोल विज्ञान, लोक परम्परा और हमारी ज्ञान परम्परा में भी विद्यमान है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने विकास की अवधारणा में एक नया आयाम जोड़ा है। यह 'विरासत भी और विकास भी', 'आस्था भी और अर्थव्यवस्था भी', 'परम्परा भी और परिवर्तन भी' की संकल्पना पर आधारित है। आधुनिकता को परम्परा के साथ जोड़ते हुए विकास की नई दिशा तैयार की जा रही है। अयोध्या, काशी, मथुरा–वृन्दावन, बरसाना, गोवर्धन, नन्दगांव, बल्देव, विंध्याचल, चित्रकूट, शुकतीर्थ, सम्भल, नैमिषारण्य, सारनाथ और कुशीनगर जैसे तीर्थ स्थलों का विकास वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक उन्नयन के लिए किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश में लगभग 156 करोड़ पर्यटकों का आगमन हुआ। यह बदलते उत्तर प्रदेश का प्रमाण है। यह बेहतर कनेक्टिविटी, मजबूत कानून–व्यवस्था और विश्वस्तरीय बुनियादी सुविधाओं का प्रमाण है। भारत अपनी विरासत से जुड़कर ही विकसित राष्ट्र की परिकल्पना को साकार करेगा। आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के प्रधानमंत्री जी के विजन को विरासत के साथ जोड़कर आगे बढ़ाया जा सकता है। विरासत का विकास होने से पर्यटन बढ़ेगा, निवेश आएगा और समाज के प्रत्येक वर्ग–महिला, युवा, किसान, उद्यमी, कारीगर और हस्तशिल्पी को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे।

इन सभी कार्यों के लिए सबसे पहली शर्त कानून का राज है। श्रद्धालु व पर्यटक तभी आएंगे, जब वह स्वयं को सुरक्षित महसूस करेंगे। व्यापारी तभी निवेश करेगा जब उसे सुरक्षा व्यवस्था पर विश्वास होगा। माताएं–बेटियां तभी निर्भय होकर बाहर निकलेंगी जब उन्हें शासन–प्रशासन पर भरोसा होगा। आज उत्तर प्रदेश कर्फ्यू, दंगा और उपद्रव से मुक्त है।

इसी कारण प्रदेश में बड़े–बड़े धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रहे हैं।

सावन के महीने में गाजियाबाद से हरिद्वार के बीच लगभग 05 करोड़ कांवड़ यात्री यात्रा पर निकले। इसके अतिरिक्त रुहेलखण्ड, मध्य क्षेत्र, अयोध्या–बस्ती, प्रयागराज–काशी तथा बुन्देलखण्ड सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में लाखों–करोड़ों श्रद्धालुओं ने कांवड़ यात्रा में भाग लिया। जिस मथुरा में वर्ष 2016 में जवाहरबाग जैसी घटना हुई थी, वही मथुरा आज लाखों श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहा है। पहले उत्सव से पहले उपद्रव की आशंका रहती थी, आज उत्सव से पहले व्यवस्था की तैयारी होती है। यही उत्तर प्रदेश में आया परिवर्तन है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, होली, दीपोत्सव, रामनवमी, दुर्गापूजा और विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन भव्यता के साथ हो रहे हैं। मथुरा–वृन्दावन में प्रतिदिन लाखों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। ब्रज क्षेत्र में रंगोत्सव, वैष्णव कुम्भ सहित अनेक आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए हैं। प्रयागराज महाकुम्भ में लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अपने सबसे बड़े आस्था के आयोजनों को आधुनिक व्यवस्थाओं के साथ सफलतापूर्वक आयोजित कर सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के अन्तर्गत मथुरा–वृन्दावन के कायाकल्प का कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। ब्रज क्षेत्र के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय करते हुए उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद निरन्तर कार्य कर रहा है। विगत 08 वर्षों में लगभग 1,000 करोड़ रुपये की लागत से ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा अनेक परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया है। मथुरा में एक भव्य प्रेक्षागृह के निर्माण के बाद अब स्वामी हरिदास जी के नाम पर नया प्रेक्षागृह ब्रज क्षेत्र को प्राप्त हुआ है। इससे क्षेत्र में रंगमंच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए एक उत्कृष्ट केन्द्र विकसित हुआ है। ब्रज में सुरक्षा, स्वच्छता, बेहतर कनेक्टिविटी, श्रद्धालुओं की सुविधा और सम्मान की व्यवस्था को तेजी से मजबूत किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्रीकृष्ण एवं राधारानी की लीलाओं से जुड़े वृन्दावन, बरसाना, नन्दगांव, गोवर्धन, राधाकुण्ड, गोकुल, बल्देव और मथुरा को पर्यटन विकास की दृष्टि से जोड़ा जा रहा है। 84 कोसी परिक्रमा मार्ग, पंच कोसी परिक्रमा मार्ग और 03 वन परिक्रमा मार्गों के विकास के साथ ही कुण्डों के पुनरुद्धार तथा ब्रज के वनों के पुनर्स्थापन का कार्य किया जा रहा है। वृन्दावन में रोप–वे एवं मेगा पार्किंग तथा मथुरा में राया अर्बन नोड जैसी परियोजनाएं ब्रज के भव्य एवं आधुनिक भविष्य की मजबूत नींव रखने का कार्य कर रही हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महाकवि सूरदास जी की साधना स्थली में ब्रज संस्कृति के संरक्षण और ब्रज भाषा के संवर्धन के उद्देश्य से 'सूरदास ब्रज भाषा अकादमी' की स्थापना की गई है। स्वामी हरिदास संगीत एवं नृत्य महोत्सव के माध्यम से देश–विदेश के ख्यातिलब्ध कलाकारों को एक मंच पर लाकर ब्रज की समृद्ध संगीत एवं साहित्यिक विरासत को संरक्षित, संवर्धित और विश्व पटल पर प्रतिष्ठित करने का कार्य किया जा रहा है। वृन्दावन की नगरीय सीमा के अन्तर्गत लगभग 400 एकड़ क्षेत्र में एशिया के सबसे बड़े सिटी फॉरेस्ट के रूप में 'सौभरि वन' को विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना ब्रज के पर्यावरणीय एवं पर्यटन विकास को नई दिशा देगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के क्रम में विरासत के संरक्षण के साथ–साथ घुमन्तू समुदायों के परिवारों को भी आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने सपेरा समुदाय का उल्लेख करते हुए कहा कि लम्बे समय तक घुमन्तू समुदाय उपेक्षित रहा। आज ऐसे परिवारों को आवासीय पट्टे एवं आवास उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। सरकार का संकल्प है कि विरासत और विकास की यात्रा को साथ लेकर उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जाए। ब्रज की संस्कृति, आस्था, परम्परा, लोक कला, संगीत और विरासत को संरक्षित करते हुए आधुनिक सुविधाओं से युक्त तीर्थ एवं पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

कार्यक्रम को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास मंत्री श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, सांसद श्रीमती हेमा मालिनी, विधायक श्री श्रीकान्त शर्मा तथा उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्री शैलजा कान्त मिश्रा ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संदीप सिंह, सांसद श्री तेजवीर सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री योगेश चौधरी, विधायक श्री पूरन प्रकाश, श्री राजेश पाल सिंह उर्फ राजेश चौधरी, श्री मेघश्याम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री किशन चौधरी, साधु–सन्त सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

———————

PN-CM-Mathura Visit-Lokarpan & Shilanyas-03 September, 2026